FROM NO. III

फर्द अहकाम
(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम डूंगला जिला चित्तौड़गढ़

.... बनाम ....

किस्म मुकदमा– पत्थरगढ़ी   नं. ....   सन 202

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशिल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
23-2.23	प्रार्थी की ओर से वकील श्री प्रह्लाद सिंह शक्तावत ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 एल0आर0एक्ट के तहत मय नकल जमाबन्दी एवं नक्शा ट्रेस के प्रस्तुत किया जा बाद जाच पेश हुआ। दर्ज रजिस्टर किया गया संक्षिप्त विवरण प्रार्थना पत्र इस प्रकार है कि प्रार्थी ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 एल0आर0एक्ट के तहत इस आशय का प्रस्तुत किया कि मौजा मंगलवाड़ पटवार मण्डल मंगलवाड़ तहसील डूंगला की आराजी नम्बर 3945/210 रकबा 0.1600 हैक्टेर/बीघा भूमि स्वयं के खातेदारी होकर राजस्व रेकार्ड मे दर्ज है, जिसका कोई स्थायी सीना चिन्ह नही है। तथा विपक्षीगण आराजी के पडौसी है प्रार्थी और विपक्षी के मध्य आराजी सीमा को लेकर आये दिन विवाद होता रहता है, इसलिए उपरोक्त आराजीयात की पत्थरगढी कराई जावे। पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व अभिलेख का अवलोकन किया गया, बहस सुनी गई। प्राथी जैर बहस आराजी का खातेदार होकर उन्हें नपती कराने का अधिकार निहित है। अतः तहसीलदार डूंगला को 1000/– अक्षरे एक हजार रुपये फीस पर कमीशनर नियुक्त किया जाकर आदेशित किया जाता है कि मुकदमा पक्षकारान की उपस्थिति में बंदोबस्ती नक्शे के अनुसार बिना किसी के कब्जे काश्त मे दखल दिये मौजा मंगलवाड़ पटवार मण्डल मंगलवाड़ तहसील डूंगला की आराजी नम्बर 3945/210 रकबा 0.1600 हे0/बीघा भूमि की पत्थरगढी मुकम्मल तौर पर की जावें। पत्थरगढी पालना प्रतिवेदन दिनांक 02/5/23 तक न्यायालय हाजा मे प्रस्तुत करें। पालना रिपोर्ट प्राप्त होने पर संलग्न पत्रावली हो। पत्रावली फैसल समाप्त होकर दाखिल दफ्तर हो। Signature Not Verified Digitally signed by Ram Kumar Tada Date: 2023.03.15 18:21:06 IST Reason: SelfAttested उपखण्ड अधिकारी डूंगला	

Scanned with CamScanner